A–1237

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAJY (N)-102

(होराशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त)

2nd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. राशियों का परिचय देते हुए राशियों के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

अथवा

षडवर्ग का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

2. विंशोतरी दशा का परिचय देते हुए दशा साधन को स्पष्ट कीजिए।

3. द्वादश भाव में ग्रहों का विस्तृत फल लिखिए।

4. ग्रहमैत्री एवं गृह दृष्टि विचार पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ग्रहों का विस्तृत परिचय दीजिए।

5. योगिनी दशा क्या है ? साधन करते हुए दशा विचार का निरूपण कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहों के स्थान बल से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सूक्ष्म दशा का विस्तृत पूर्वक उल्लेख कीजिए।

2. प्रत्यन्तर्दशा से आप क्या समझते हैं ? सूर्य, चन्द्र एवं बुध का प्रत्यन्तर्दशा का फल लिखिए।

3. पंच ग्रह योग तथा चतुर्ग्रह योग का फल लिखिए।

4. पंचांग का परिचय दीजिए।

अथवा

पंचम भाव के फलों का प्रतिपादन कीजिए।

5. मंगल के प्रत्यन्तर में राहु–गुरु–शनि की सूक्ष्म दशाफल का वर्णन कीजिए।

6. चलित कुण्डली से क्या तात्पर्य हैं ? वर्णन कीजिए।

अथवा

राहु तथा भौम के दशाफल पर प्रकाश डालिए।

7. अष्टयोगिनी दशाओं के स्वरूप का निरूपण कीजिए।

8. चतुर्थ एवं अष्टम भाव से विचारणीय विषयों को उल्लेख कीजिए।

****